कृषि के भविष्य के लिए कुशल उपकरण ई ट्रैक्टर

वृंदावन ग्राउंड्स में लगे कृषि भारत मेले में मौजूद संस्था के लोग। स्रोत : आयोजक

माई सिटी रिपोर्टर

सीआईआई एग्रोटेक इंडिया-कृषि भारत 2024 के तीसरे दिन कॉन्फ्रेंस में इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर फोकस

लखनऊ। सीआईआई एग्रोटेक इंडिया-कृषि भारत 2024 के तीसरे दिन रविवार को 'सीआईआई कॉन्फ्रेंस ऑन एक्सेलेरेटिंग इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर एडॉप्शन' में टिकाऊ खेती समाधानों पर चर्चा हुई। 'यूपी को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना' विषय के सम्मेलन में नीति निर्माताओं, नेताओं और नवप्रवर्तकों को ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों के साथ कृषि में क्रांति लाने की रणनीतियों का पता लगाने के लिए एक साथ लाया गया।

सम्मेलन में राज्य सरकार के कृषि विभाग के निदेशक जितेंद्र कुमार तोमर ने पर्यावरण-अनुकूल कृषि समाधानों में बदलाव को आसान बनाने में सरकारी प्रोत्साहन और सब्सिडी योजनाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाने व इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए लाइव प्रदर्शनों और सोशल मीडिया का लाभ उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

वी पॉलिसी सेल, इन्वेस्ट यूपी के एजीएम अमित कुमार मिश्रा ने विनिर्माण लागत को कम करने और कृषि सहित सभी क्षेत्रों में अपनाने को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई नीतियों और प्रोत्साहनों पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे पीएम कुसुम योजना जैसी केंद्रीय पहल ने ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा दिया है, जिससे खेती में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों को न केवल पर्यावरण के अनुकूल देखा जाना चाहिए, बल्कि कृषि के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए अत्यधिक कुशल उपकरण के रूप में भी देखा जाना बहुत जरूरी है।